1

UPSC : सिविल सेवा परीक्षा

GS Paper - III : INTERNAL SECURITY

2

Security Challenges

Terrorism

3

UPSC - CSE में पूछे गए प्रश्न

4

- समझाइए कि नार्को-आतंकवाद सम्पूर्ण देश में किस प्रकार एक गंभीर खतरे के रूप में उभरकर आया है। नार्को-आतंकवाद से निपटने के लिए समुचित उपायों पर सुझाव दीजिए। 2024/150/10

5

- आतंकवाद-प्रभावित क्षेत्रों में जनसमुदाय का विश्वास बहाल करने में 'दिल और दिमाग' जीतना एक आश्यक कदम है। इस संबंध में जम्मू और कश्मीर में संघर्ष समाधान के भाग के रूप में सरकार द्वारा अपनाए गए उपायों पर चर्चा कीजिए। 150/10/2023

6

- भारत में आतंकवाद के वित्तपोषण के प्रमुख स्रोत और इन स्रोतों की कटौती के लिए किए गए प्रयासों को बताइए। इस आलोक में, हाल में ही नयी दिल्ली में नवंबर 2022 में हुई 'आतंकवाद के लिए धन नहीं (एनएमएफटी)' संगोष्ठी के लक्ष्य एवं उद्देश्य की भी विवेचना कीजिए। 250/15/2023

7

- आतंकवाद की जटिलता और तीव्रता, इसके कारणों, सम्बन्धों तथा अप्रिय गठजोड़ का विश्लेषण कीजिए। आतंकवाद के खतरे के उन्मूलन के लिए उठाए जाने वाले उपायों का भी सुझाव दीजिए। 250/15/2021

8

- जम्मू और कश्मीर में 'जमात-ए-इस्लामी' पर पाबंदी लगाने से आतंकवादी संगठनों को सहायता पहुँचाने में भूमि-उपरि कार्यकर्ताओं (ओ.जी.डब्ल्यू.) की भूमिका ध्यान का केन्द्र बन गई है। उपप्लव (बगावत) प्रभावित क्षेत्रों में आतंकवादी संगठनों को सहायता पहुँचाने में भूमि-उपरि कार्यकर्ताओं द्वारा निभाई जा रही भूमिका का परीक्षण कीजिए। भूमि-उपरि कार्यकर्ताओं के प्रभाव को निष्प्रभावित करने के उपायों की चर्चा कीजिए। 250/15/2019

9

- आतंकवाद की महाविपत्ति राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती है। इस बढ़ते हुए संकट का नियंत्रण करने के लिए आप क्या-क्या हल सुझाते हैं? आतंकी निधीयन के प्रमुख स्रोत क्या हैं? 250/15/2017

10

- 'उग्र अनुसरण' एवं 'शल्यक प्रहार' पदों का प्रयोग प्रायः आतंकी हमलों के विरुद्ध सैन्य कार्यवाही के लिए किया जाता है। इस प्रकार की कार्यवाहियों के युद्धनीतिक प्रभाव की विवेचना कीजिए। 200/12.5/2016

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

11

- 'पिछले कुछ दशकों से आतंकवाद एक प्रतिस्पर्धात्मक उद्योग के रूप में उभर रहा है?' उपर्युक्त कथन का विश्लेषण कीजिए?

200/12.5/2016

12

- डिजिटल मीडिया के माध्यम से धार्मिक मतारोपण का परिणाम भारतीय युवकों का आई.एस.आई.एस. में शामिल हो जाना रहा है। आई.एस.आई.एस. क्या है और उसका ध्येय (लक्ष्य) क्या है? आई.एस. आई.एस. हमारे देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए किस प्रकार खतरनाक हो सकता है।

200/12.5 /2015

13

- 'बहुधार्मिक एवं बहुजातीय समाज के रूप में भारत की विविध प्रकृति, पड़ोस में दिख रहे अतिवाद के संघात के प्रति निरापद नहीं है।' ऐसे वातावरण के प्रतिकार के लिए अपनाए जाने वाली रणनीतियों के साथ विवेचना कीजिए।

200/12.5/2014

14

- आपके विचार में आतंकवाद के क्या कारण हैं? भारत में आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए उपयुक्त उपाय सुझाइए।

2008

15

UPSC – CSE में

पूछे गए निबंध

16

- भारत के सन्दर्भ में आतंकवाद का मुकाबला करने में मानवीय आसूचना एवं तकनीकी आसूचना दोनों ही निर्णायक हैं।

2011

- आतंकवाद और विश्व-शांति

2005

17

Security Challenges

Terrorism

18

भारत में सुरक्षा चुनौतियाँ : आतंकवाद

- अर्थ
- स्वरूप
- विस्तार
  - पूर्वोत्तर में
  - पंजाब में
  - जम्मू-कश्मीर में
  - मध्य भारत तथा दक्षिण भारत में
- दुष्परिणाम
- कारण
- दूर करने हेतु किये गए प्रयास
- मूल्यांकन एवं सुझाव

19

आतंकवाद का अर्थ

20

Radicalism / Extremism

उग्र-सुधारवाद / अमूल-चूल परिवर्तनवाद / अतिवाद

Extremism उग्रवाद	Insurgency विद्रोह
Separatism अलगाववाद	Left wing Extremism वामपंथी उग्रवाद
Naxalism नक्सलवाद	Terrorism आतंकवाद

21

हिंसा के माध्यम से भय उत्पन्न करके सामूहिक उद्देश्यों को पूरा कराने का प्रयास आतंकवाद कहलाता है

26

भारत में आतंकवाद का विस्तार

22

भारत में आतंकवाद का स्वरूप

27

1. जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद
2. पंजाब में आतंकवाद
3. मध्य भारत एवं दक्षिण भारत में आतंकवाद
4. पूर्वी भारत में वामपंथी आतंकवाद (नक्सलवाद)
5. पूर्वोत्तर भारत में आतंकवाद (उग्रवाद)

23

1. आंतरिक आतंकवाद

वामपंथी उग्रवाद / नक्सलवाद के रूप में सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक व्यवस्था के विरूद्ध देश के अंदर के Non-State Actors के द्वारा संचालित

28

पूर्वोत्तर में आतंकवाद : एक परिचय

24

2. बाह्य आतंकवाद

देश की सीमा से बाहर विद्यमान आंतकी संगठनों या पड़ोसी देशों द्वारा संचालित (External State and Non-State Actors द्वारा) संचालित

29

पूर्वोत्तर में आतंकवाद (उग्रवाद)

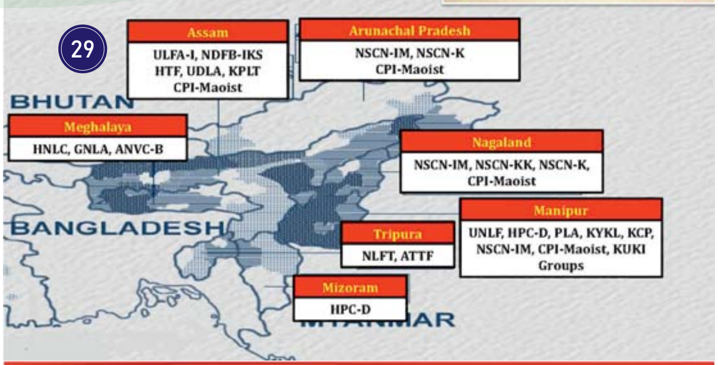

25

3. विचारधारा के आधार पर आतंकवाद का वर्गीकरण–

(i) धार्मिक आतंकवाद
(ii) वामपंथी आतंकवाद
(iii) राष्ट्रवादी आतंकवाद
(iv) नशा आतंकवाद

30

पूर्वी भारत में वामपंथी आतंकवाद (नक्सलवाद)

31

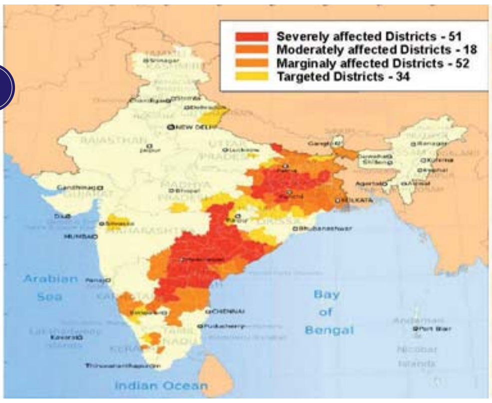

पूर्वी भारत में आतंकवाद

वामपंथी उग्रवाद

(नक्सलवाद)

32

पंजाब में आतंकवाद : एक परिचय

33

पंजाब में आतंकवाद

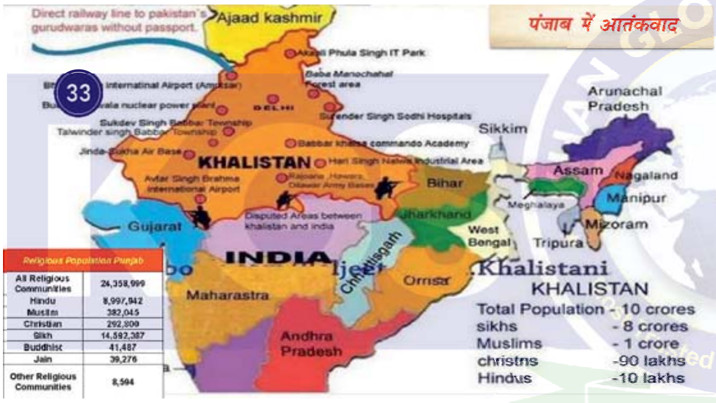

34

पंजाब में आतंकवाद

1980 के दशक में प्रारंभ और 2000 तक समाप्त

2018 के बाद पंजाब में आतंकवाद पुनः सक्रिय

(1983 से जनवरी 2024 तक पंजाब में 7125 लोगों की मौत)

35

प्रमुख आतंकी संगठन

36

1.

बब्बर खालसा इण्टरनेशनल

(BKI-1980)

संस्थापक

सुखदेव सिंह बब्बर वाधवा सिंह

37

2.

खालिस्तान जिन्दाबाद फोर्स

(KZF-1988)

संस्थापक

रंजीत सिंह नीता

38

3.

खालिस्तान कमांडो फोर्स

(KCF-1986)

संस्थापक

मनबीर सिंह चहेरु

(वर्तमान नेता गुरबाज सिंह)

39

KHALISTAN LIBERATION FORCE K.L.F

4.

खालिस्तान लिबिरेशन फोर्स

(KLF-1986)

संस्थापक

अरूर सिंह

(वर्तमान नेता अवतार सिंह खंडा - 15 जून 2023 को UK में मृत्यु)

40

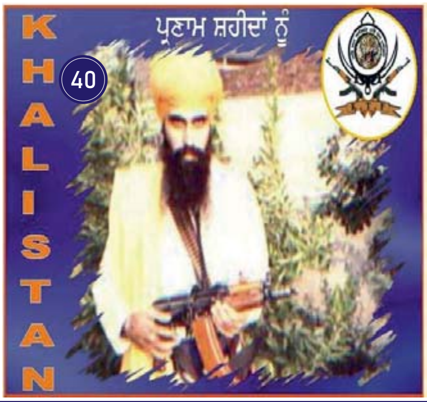

5.

खालिस्तान टाईगर फोर्स

(KTF-1995)

संस्थापक

जगतार सिंह तारा

(2023 में प्रतिबंधित)

प्रमुख नेता हरदीप सिंह निज्जर की 18 जून 2023 को कनाडा में हत्या

वर्तमान नेता अर्शदीप सिंह डाला (11 नवंबर 2024 को कनाडा में गिरफ्तार)

41

पंजाब में प्रमुख आतंकी हमला

42

अप्रैल 1983

पंजाब पुलिस के DIG

ए.एस. अटवाल की

आतंकियों द्वारा हत्या

43

21 अक्टूबर 1983

गोविन्दगढ़ बस नरसंहार

सिख आतंकवादियों द्वारा 58 हिन्दू यात्रियों का नरसंहार

44

1 June to 10 June 1984

ऑपरेशन ब्लू स्टार

45

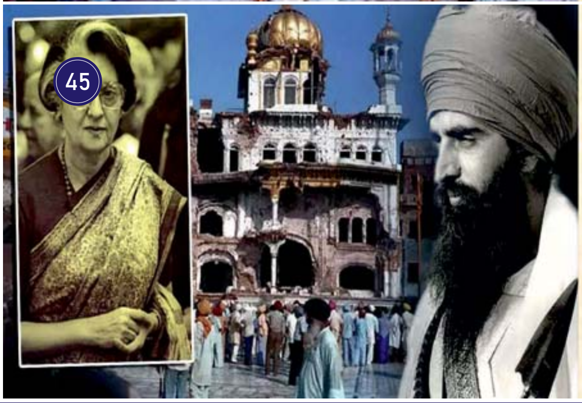

जून 1984

इन्दिरा गांधी की हत्या

46

23 जून 1985

एयर इण्डिया का जहाज 'कनिष्क' में बम विस्फोट

329 लोगों की मौत

47

30 नवम्बर 1986

होशियारपुर बस नरसंहार

सिख आतंकवादियों द्वारा 24 हिन्दू बस यात्रियों की हत्या

48

जुलाई 1987

सिख आतंकी हमले की दो घटनाओं में 38 हिन्दू बस यात्रियों और 34 हिन्दू बस यात्रियों की हत्या

49

31 अगस्त 1995

पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह और 17 अन्य लोगों की हत्या

50

1 जनवरी 2019

केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) ने कनाडा स्थित सतविंदर सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को UAPA के तहत 'व्यक्तिगत आतंकवादी' घोषित किया

कनाडा में रहने वाला बरार बब्बर खालसा इंटरनेशनल (BKI) से जुड़ा है।

51

जुलाई 2019

अमेरिका आधारित संस्था

सिख फॉर जस्टिस (2007)

UAPA के तहत प्रतिबंधित

नेता - गुरपतवंत सिंह पन्नू

56

29 दिसम्बर 2023

लखबीर सिंह लांडा (BKI)

केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 'व्यक्तिगत आतंकवादी' घोषित

52

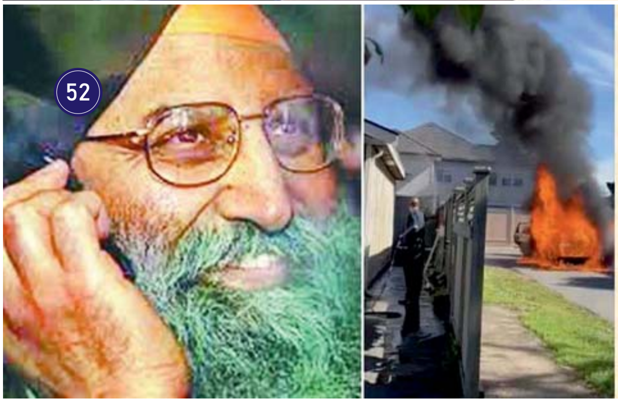

जुलाई 2022

बब्बर खालसा के रिपुदमन सिंह मलिक की

कनाडा में हत्या

57

19 मार्च 2024

'वारिश पंजाब दे' और आनंदपूर खालसा फौज के प्रमुख अमृतपाल सिंह पर लगाई गयी NSA की अवधि बढ़ायी गयी

53

मई 2023

KCF प्रमुख

परमजीत सिंह पंजवार

की पाकिस्तान के लाहौर में हत्या

58

19 दिसंबर 2024 - पंजाब के बख्शीवाला चौकी पर आतंकी हमला - KZF ने ली जिम्मेदारी - पिछले 30 दिनों में यह सातवा बड़ा आतंकी हमला

54

जून 2023

गुरपतवंत सिंह पन्नू

के नेतृत्व में सिख फॉर जस्टिस द्वारा खालिस्तान के निर्माण हेतु 'अन्तर्राष्ट्रीय जनमत संग्रह' कराया गया

59

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद : एक परिचय

55

जून 2023

हरदीप सिंह निज्जर

(खालिस्तान टाईगर फोर्स)

कनाडा में हत्या

60

1.

जम्मू-कश्मीर आतंकी गतिविधि का प्रमुख केन्द्र

2\.

राष्ट्रवादी आतंकवाद एवं धार्मिक आतंकवाद

(iii)

HUJI

1984

3\.

भारत से पृथक एवं संप्रभु राष्ट्र-राज्य कश्मीर की माँग या कश्मीर का पाकिस्तान में विलय की माँग को लेकर आतंकवाद

(iv) Hijbul Mujahideen – 1989

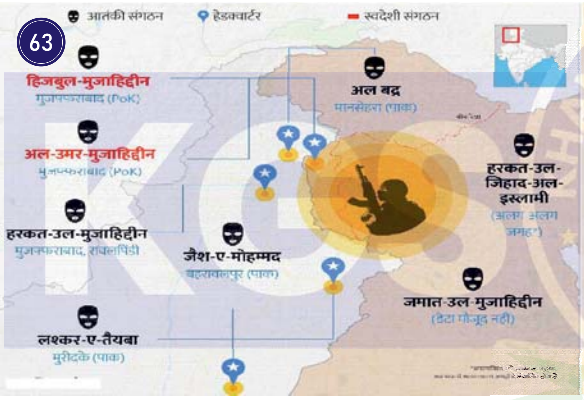

4\.

प्रमुख आतंकी संगठन एवं घटनाएँ

(v) Harkal – ul – Ansar / Harkat – ul – Mujahideen – 1993

(i)

J & KLF

1964

(vi) United Jihad Council – 1994

Lashkar-e-Taiba

(ii)

Lashkar - e - Taiba -

1980

(vii)

अल बद्र (जम्मू-कश्मीर)

1998

71

(viii)

Jaish – e – mohammed

2000

72

18 Sept. 2016 –
Uri Attack :
One of the Deadliest
Terror Attack —
J & K 23 Death

73

29 Sept. 2016 –
Surgical strikes
in PoK :
killed 50 terrorists,
hit 7 camps

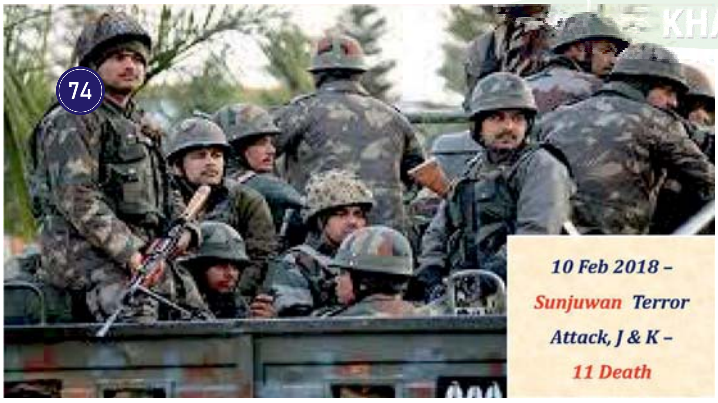
74

10 Feb 2018 –
Sunjuwan Terror
Attack, J & K –
11 Death

75

14 Feb 2019 –
Pulwama Terror
Attack, J & K –
46 Death

76

26 Feb 2019 –
Balakot air strike

77

12 June 2019 –
Awantipora Terror
Attack, J & K – 6 + 4 Death

78

21 दिसंबर 2023

Rajori
Terror Atack

5 Soldiers
killed

79

9 जून 2024
जम्मू में
तीर्थयात्रियों की
एक बस पर
आतंकी हमला
और बस खाई में
गिरी – 9 लोगों
की मौत और 30
घायल

80

21 Oct 2024 –
Ganderbal Attack, 7 Civilians Killed

81

2024 में– TRF, जम्मू-कश्मीर गजनवी फोर्स, कश्मीर टाइगर्स आदि नये आतंकी संगठनों का उद्भव तथा Hybrid Militants द्वारा आतंकी हमला तेज

86

(ii)

मुख्यत: पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित धार्मिक आतंकवाद

82

7 मार्च 2024

गृह मंत्रालय ने जम्मू - कश्मीर के मोहम्मद कासिम गुज्जर को UAPA के तहत एक 'व्यक्तिगत आतंकवादी' के रूप में नामित किया

87

2.

दक्षिण भारत में आतंकवाद

83

मध्य भारत एवं दक्षिण भारत में आतंकवाद : एक परिचय

88

(i)

प्रारंभ में LTTE का प्रभाव (राजीव गांधी की हत्या)

84

1.

महाराष्ट्र एवं उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में आतंकवाद

Terrorism in India

89

(ii)

हैदराबाद एवं बैंगलोर मुख्य केन्द्र (वर्तमान में केरल)

85

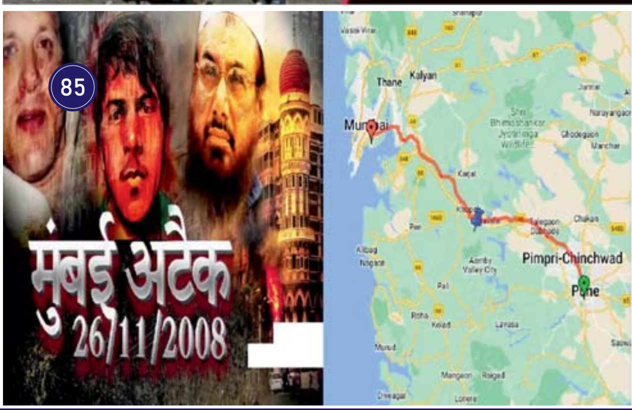

(i)

मुंबई एवं पूणे आतंकी गतिविधि का मुख्य केन्द्र

90

(iii)

मुख्यत: पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित धार्मिक आतंकवाद

91
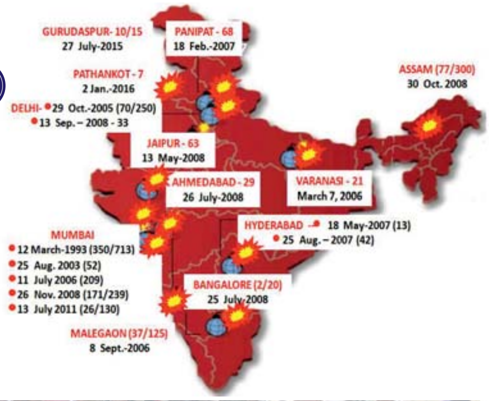

3. प्रमुख आतंकी संगठन एवं घटनाएँ

96

(v) Jamat - ul - Mujahideen 1998 (बांग्लादेश) → वर्दबान विस्फोट 2014

92

(i) SIMI – 1977 → 2001 में प्रतिबंधित → कर्नाटक फोरम फॉर डिग्निटी (KFD) → 2006 में PFI में विलय

97

(vi) Jaish - e - Mohammed 2000

93

(ii) Lashkar - e - taiba 1980

98

(vii) Popular Front of India (PFI)- 2006 (केरल) → सितंबर 2022 में प्रतिबंधित

(iii) HUJI 1992

94

99

(viii) Indian Mujahideen (2007) → अब्दुल सुभान कुरैशी 2010 में प्रतिबंधित

95

(iv) Al Ummah – 1993 (केरल) → 1998 में प्रतिबंधित

100

(ix) IS (Islamic State) 2006 - 2011 - 2014

15 सितंबर 2020

इस्लामिक स्टेट (आईएस) केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, बिहार, यूपी, एमपी और जम्मू-कश्मीर में सबसे अधिक सक्रिय है–

NIA

2020

तौहीद-ए-जमात नाम के एक संगठन का नाम ISIS से जोड़ा गया है जो भारत के दक्षिणी राज्यों में सक्रिय थी

पिछले पांच वर्षों में भारत में ISIS से संबंधित दर्जनों लोगों को गिरफ्तार किया गया है

(गृह मंत्रालय)

22 अगस्त 2022

रूस की सुरक्षा एजेंसी FSB ने एक आत्मघाती हमलावर (Suicide Bomber) को पकड़ने के बाद यह सूचना दी है कि ISIS का वह आतंकी भारत सरकार के एक ताकतवर नेता के खिलाफ आतंकी हमले की योजना बना रहा था।

जनवरी 2024

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य अरबाज अहमद मीर को भी आतंकवाद विरोधी कानून 'गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम', 1967 के तहत व्यक्तिगत आतंकवादी के रूप में नामित किया

2024

वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2024

(Global Terrorism Index - GTI)

भारत 14वें स्थान पर (163 देशों में)

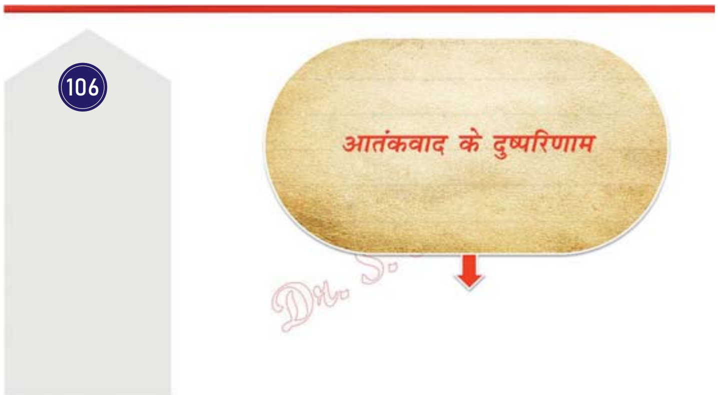

1.

हिंसा एवं जानमाल की हानि

1988 से 2015 तक आतंकी घटनाओं में 14,702 सिविलियन, 6,161 सुरक्षा बल तथा 22,920 आतंकवादी मारे गए

2.

देश के सामाजिक-आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव

(जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पूर्वोत्तर राज्यों पर दुष्प्रभाव)

3.

कानून व्यवस्था की समस्या एवं अपराध में वृद्धि

4.

राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को खतरा (जम्मू-कश्मीर, पंजाब, नार्थ-ईस्ट आदि में)

5. पर्यटन उद्योग तथा संस्कृति पर दुष्प्रभाव

(जम्मू-कश्मीर, नार्थ-ईस्ट आदि में)

3. अशिक्षा, गरीबी, बेरोजगारी

(मुख्यतः वामपंथी आतंकवाद के संदर्भ में)

(21 फरवरी, 2016 की रिपोर्ट के अनुसार ISIS/IS द्वारा भारत में गरीब मुस्लिमों की नियुक्ति का निर्देश साथ ही IS द्वारा Indian Mujahiddin (IM) को 80 करोड़ रुपये आतंकवाद फैलाने हेतु दिए गए)

6. देश की अंतर्राष्ट्रीय छवि पर नकारात्मक प्रभाव

(वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2024 भारत 14 नम्बर पर)

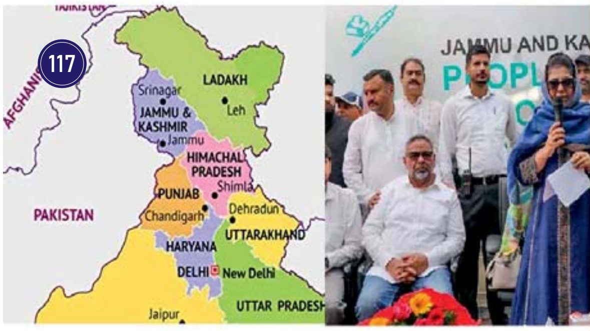

4. स्वार्थी व्यक्ति, संगठन एवं राजनीतिक दलों की नकारात्मक भूमिका

(पंजाब, जम्मू-कश्मीर, नार्थ-ईस्ट में)

113

आतंकवाद के कारण

5. बाह्य राज्य कारकों एवं बाह्य गैर राज्य कारकों की भूमिका

मुख्यतः जम्मू-कश्मीर, पंजाब एवं नार्थ-ईस्ट में

(हेडली के बयान से 2008 के मुम्बई बम विस्फोट में पाक के शामिल होने की पुष्टि तथा जुलाई-अगस्त, 2016 में कश्मीर हिंसा में पाकिस्तान द्वारा फंडिंग किए जाने की NIA द्वारा पुष्टि)

1. साम्प्रदायिकता

(जम्मू-कश्मीर में)

6. वैश्विक स्तर पर उत्पन्न धार्मिक रूढ़िवाद एवं आतंकवाद (SIMI, IM, HUJI, भारत में IS का प्रवेश)

2. असमान सामाजिक-आर्थिक विकास एवं वंचन का बोध

(मुख्यतः वामपंथी आतंकवाद के संदर्भ में छत्तीसगढ़, झारखण्ड आदि में)

7. प्रजातीय एवं नृजातीय भिन्नता तथा सीमावर्ती देशों के साथ समरूपता

(मुख्यतः जम्मू-कश्मीर एवं नार्थ-ईस्ट में)

121

8\. कठोर कानून का अभाव एवं दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति का अभाव

122

आतंकवाद के उन्मूलन हेतु किए गए प्रयास

123

राष्ट्रीय स्तर पर किए गए प्रयास

124

संवैधानिक एवं वैधानिक प्रयास

125

1\. Armed Forces Special Power Act- 1958 (AFSPA)

126

2\. गैरकानूनी गतिविधि निरोधक अधिनियम, (UAPA) 1967

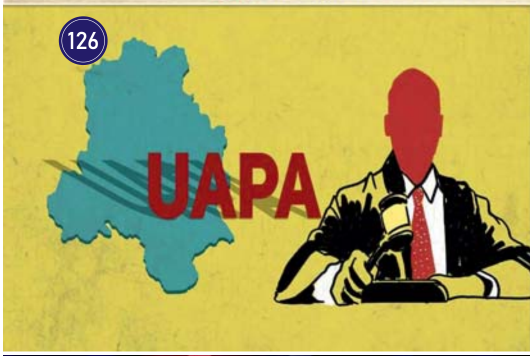

(i) 2008 के मुंबई बम विस्फोट के बाद इसे और मजबूत बनाने का प्रयास

(ii) जुलाई, 2019 में UAPA में संशोधन

127

3\. National Security Act (रासुका) 1980

इस कानून के तहत राज्य और केंद्र सरकार द्वारा किसी भी ऐसे व्यक्ति को, जो राष्ट्र की सुरक्षा के लिए खतरा बन चुका हो, बिना किसी आरोप के 12 महीनें तक जेल में रखने का प्रावधान

128

4\. TADA (1987) एवं POTA (2002)

[SC द्वारा क्रमशः 1995 में एवं 2004 में समाप्त]

129

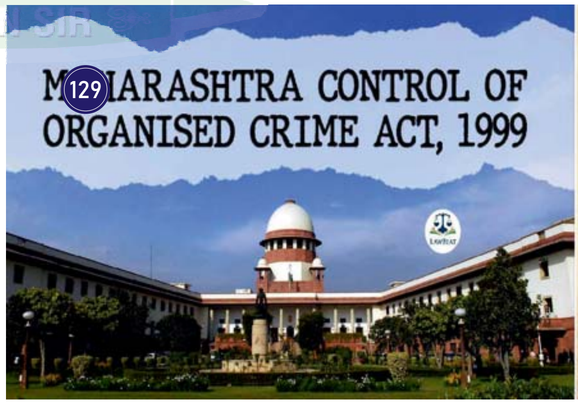

5\. Maharashtra Control of Organised Crime Act (MCOCA), 1999

130

(i) संगठित अपराध को रोकने एवं आतंकवाद एवं संगठित अपराध के मध्य संबंध को खत्म करने हेतु पारित

(ii) मुख्य उद्देश्य- संगठित अपराध एवं आतंकवाद दोनों पर नियंत्रण करना

(iii) इस कानून के तहत अग्रिम जमानत का प्रावधान नहीं

131

(iv) 1 माह का रिमांड एवं 180 दिन तक आरोप पत्र दाखिल करने का प्रावधान / (IPC के तहत यह समय सीमा क्रमश: 15 दिन एवं 60-90 दिन है)

(v) अधिकतम फांसी एवं न्यूनतम 5 वर्ष की सजा का प्रावधान

(vi) विशेष न्यायालय के गठन का प्रावधान

136

1.

सुरक्षा ढाँचे (सुरक्षा बल, जाँच एजेंसी एवं आसूचना प्रणाली) का सशक्तिकरण एवं आधुनिकीकरण

(NSG, NATGRID, CCTNS etc.)

132

6.

KCOCA – 2001

GUJCOCA – 2019

UPCOCA – 2018

RCOCA – 2023

HCOC Bill – 2023

137

1984

National Security Guard

(NSG)

133

7.

2008 में NIA का गठन और जुलाई 2019 में संशोधन

138

2009

Crime and Criminal Tracking Network and Systems

(CCTNS)

134

8.

5 अगस्त 2019 को धारा 370 की समाप्ति और 31 अक्टूबर 2019 को जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख नामक दो केन्द्र शासित प्रदेश का गठन

139

2020

The National Intelligence Grid

(NATGRID)

135

योजनागत प्रयास

140

2.

कठोर पुलिस कार्यवाही एवं विभिन्न Operations

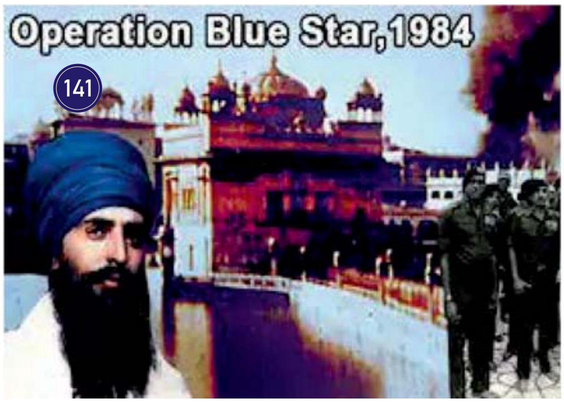

(i)

पंजाब में –

Operation Blue Star, Woodrose, Black thunder

(ii)

असम में –

Operation Bajrang,

Operation Rhino,

Operation Golden Bird

(iii)

भूटान में –

Operation All Clear

(iv)

म्यान्मार में –

10 जून- 2015 को

सर्जिकल स्ट्राइक

(v)

जम्मू-कश्मीर में

Operation All Out

29 सितम्बर 2016 को पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक

26 फरवरी 2019 को पाकिस्तान के बालाकोट में एयर स्ट्राइक

3.

आतंकियों से बातचीत के द्वारा संघर्ष विराम एवं उन्हें आत्मसमर्पण हेतु प्रेरित किया जाना

4.

आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने हेतु किये गये प्रयास

↓

(i)

Financial Action Task Force (FATF)

1989 - 2001

(ii)

2015

गृह मंत्रालय में 'आतंकवाद वित्तपोषण रोकथाम / *Combating the Financing of Terrorism* सेल (*CFT* सेल) की स्थापना

(iii)

18 नवम्बर 2022 – आतंकवाद विरोधी वित्तपोषण पर तीसरा *No Money for Terror (NMFT)* सम्मेलन

(72 देश शामिल) भारत में आयोजित – भारत द्वारा चिह्नित खतरें

151

(iv)

मनी-लॉड्रिंग तथा आतंकवाद एवं संगठित अपराध के बीच संबंध को रोकने हेतु किये गये प्रयास

152

(v)

इस दिशा में विश्व के देशों के साथ सहयोग

153

5.

'सामाजिक – आर्थिक विकास कार्यक्रम'

एवं

'विशेष पैकेज कार्यक्रम'

154

6.

सीमा पार आतंकवाद को रोकने हेतु मजबूत सीमा सुरक्षा प्रबंधन

155

7.

पृथक राज्य का गठन एवं स्वायत्त परिषद् का गठन

156

जम्मू-कश्मीर में किए गए विशेष प्रयास

157

जम्मू-कश्मीर विभाग (गृह मंत्रालय)

1. सीमा सुरक्षा एवं आंतरिक सुरक्षा
2. लोकतांत्रिक प्रक्रिया एवं नागरिक प्रशासन की बहाली
3. विकास
4. समस्याओं का समाधान एवं शिकायतों का निपटान
5. विश्वास बहाली

158

1.

सीमा सुरक्षा एवं आंतरिक सुरक्षा

- ऑपरेशन ऑल आउट
- क्षमता निर्माण
  5 IRB
- SPO – 34,707
- ग्राम रक्षा समूह योजना – 4,985

159

आत्म समर्पण हेतु प्रोत्साहन

(निकट संबंधी को 4 लाख नकद एवं 2 लाख विशेष अनुग्रह राशि)

160

2.

लोकतांत्रिक प्रक्रिया एवं नागरिक प्रशासन की बहाली

5 अगस्त 2019 को 370 की समाप्ति

सितम्बर-अक्टूबर 2024 जम्मू-कश्मीर में चुनाव

3.

जम्मू-कश्मीर के विकास हेतु किए गए प्रयास

(iv) अवसंरचनात्मक विकास

एवं घाटी के सभी क्षेत्र को सड़क से जोड़ने वाली विभिन्न परियोजनाओं का क्रियान्वयन

(i) विभिन्न विकास योजनाओं व रोजगार सृजन कार्यक्रमों का क्रियान्वयन

(v) पर्यटन उद्योग को प्रोत्साहन

20 फरवरी 2024 प्रधानमंत्री द्वारा जम्मू में 32,000 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत

4.

समस्याओं का समाधान एवं शिकायतों का निपटान

(ii) प्रधानमंत्री पैकेज, के अंतर्गत

'2 कमरे वाला मकान परियोजना'

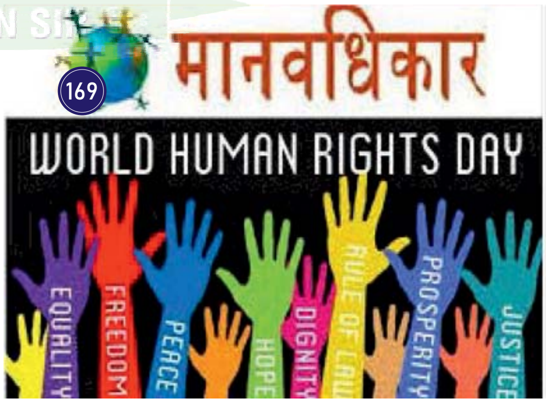

(i) मानवाधिकार के संरक्षण का प्रयास

(1994-2023 तक सुरक्षाबलों के खिलाफ 1827 शिकायत जिसमें 1601 की जांच पूरी)

(iii) जम्मू-कश्मीर के लिए 'विशेष उद्योग पहल', 'उड़ान योजना',

इसमें कौशल विकास द्वारा 80,000 युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य

(ii) पीड़ितों की मनोवैज्ञानिक सहायता हेतु 'जम्मू और कश्मीर पुनर्वास परिषद' की स्थापना

171

5.

कश्मीर के लोगों के साथ विश्वास बहाली का प्रयास

172

(i)

आतंकी हिंसा से पीड़ितों के लिए राहत के प्रयास

173

[5.5 लाख नगद मुआवजा, अनुकंपा के आधार पर नौकरी; राज्य सरकार द्वारा जम्मू क्षेत्र में रह रहे 18250 परिवारों को प्रतिव्यक्ति 2500 प्रतिमाह (अधिकतम 10,000 प्रति परिवार) एवं सूखा राशन; दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली में रहने वाले 3385 परिवार को प्रतिव्यक्ति 2500 प्रतिमाह (अधिकतम 10,000 प्रति परिवार) एवं सूखा राशन तथा कश्मीरी प्रवासियों के वापसी हेतु पुनर्वास योजना (2008 से) जिसमें नौकरी एवं अन्य सुविधाएँ]

174

(ii)

श्रीनगर-मुजफ्फराबाद पाक्षिक बस सेवा; 2008 से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पाक) के साथ शुल्क मुक्त व्यापार प्रारंभ; भारत-पाक के बीच धार्मिक एवं पर्यटन संबंधी नागरिक यात्राओं के नियमों का सरलीकरण

175

प्रधानमंत्री विकास पैकेज

(iii)

प्रधानमंत्री विकास पैकेज 2015 के अंतर्गत POK से विस्थापित परिवारों को 5.5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता

176

(iv)

सिविक एक्शन प्रोग्राम (CAP) के द्वारा विश्वास बहाली का प्रयास

177

(v)

विकास की गति को तीव्र करना तथा स्वस्थ्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया की स्थापना

178

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए गए प्रयास

179

A.

UN द्वारा किए गए प्रयास

1. UN द्वारा अब तक आतंकवाद पर 13 Convention प्रचलन में एवं 14वां प्रस्तावित

180

प्रमुख UN Convention

(i) 11th International Convention for the Suppression of Terrorist Bombing – 1997

(ii) 12th International Convention for the Suppression of the Financing of Terrorism – 1999

181

(iii) 13th International Convention for the Suppression of Acts of Nuclear Terrorism – 2005

(iv) 14th Comprehensive Convention on International Terrorism (CCIT)

(भारत द्वारा प्रस्तावित)

186

4.

18 नवम्बर 2022 – आतंकवाद विरोधी वित्तपोषण पर तीसरा No Money for Terror (NMFT) सम्मेलन

(72 देश शामिल) भारत में आयोजित – भारत द्वारा चिह्नित खतरें

182

UNCTC

2.

United Nation Counter Terrorism Committee (UNCTC) - 2001 में गठन, भारत सदस्य,

UNCTC 2001 के Resolution को पुनः 2022 में दोहराया गया–

इसके कार्य–

187

(i) अफगानिस्तान में सत्ता परिवर्तन और ISIS तथा अलकायदा का बढ़ता प्रभाव

(ii) आतंकियों के सुरक्षित ठिकानों का पर्दाफास

(iii) आतंकियों द्वारा नवीन प्रौद्योगिकी का प्रयोग – सोशल मीडिया, डार्कनेट, क्रिप्टोकरेंसी आदि

(iv) आतंकवाद समर्थक देशों की विद्यमानता

(v) आतंकवाद और संगठित अपराध में संबंध

183

(i) आतंकी समूहों के वित्तीय समर्थन को रोकना एवं 'हतोत्साहित' करना

(ii) आतंकी समूहों के वित्तीय समर्थन को अपराध घोषित करना

188

INTERPOL

B.

INTERPOL 1956

(195 देश सदस्य)

184

(iii) आतंकी समूह से संबंधित जानकारी बताना एवं जाँच एवं गिरफ्तारी में एक दूसरे को सहयोग करना

(iv) आतंकवाद के उन्मूलन हेतु कठोर कानून बनाना

189

C.

Financial Action Task Force (FATF)

1989 - 2001

(2010 में भारत सदस्य)

185

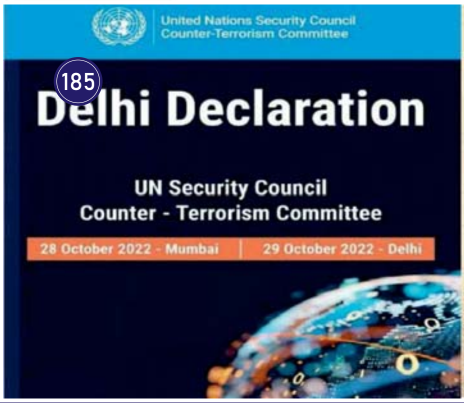

3.

29 अक्टूबर, 2022 UNCTC द्वारा आतंकवाद पर 'दिल्ली घोषणा' को अपनाया गया और इसमें आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस का आहवान किया गया

190

D.

प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय समझौता

191

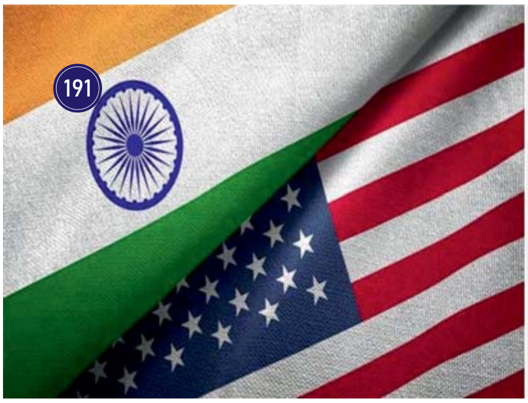

1.

23 जुलाई, 2010 भारत-अमेरिका-कांउटर टेरज्मि कॉपरेशन एनिशिएटिव एग्रीमेंट - जिसके तहत–

192

(i) दोनों देश मनी लॉन्ड्रिंग, जाली नोट, आतंकी गतिविधियों में वित्तीय सहायता प्रदान करने वाले स्रोतों का पता लगाने व उसे रोकने के लिए संयुक्त प्रयास करेंगे

(ii) बम ब्लास्ट की घटना की संयुक्त जाँच तथा रेलवे सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, सीमा सुरक्षा से संबंधित उपकरणों एवं तकनीक का आदान प्रदान करेंगे

193

2.

अन्य देशों– (इजराइल, रूस, ब्रिटेन, चीन, बांग्लादेश आदि) के साथ आतंकवाद का संयुक्त रूप से मुकाबला करने हेतु संधि

194

3.

41 देशों के साथ प्रत्यार्पण संधि

195

E.

अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के मुद्दे को उठाना

196

(i) UN, BRICKS, SAARC, G-20 आदि में आतंकवाद का मुकाबला करने हेतु साझा प्रयास करने पर सहमति

(ii) G-20, UN, BRICKS आदि मंचों पर आतंकवाद के मुद्दे को उठाना तथा इस संदर्भ में पाकिस्तान को कटघरे में खड़ा करना

197

मई 2023

QUAD Summit 2023

Quad Counter Terrorism Working Group स्थापित करने की घोषणा

198

8 सितम्बर 2023

नई दिल्ली में G-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन

'नई दिल्ली घोषणा' में आतंकवाद के सभी रूपों एवं अभिव्यक्तियों की निन्दा

199

24 जनवरी 2024

GCTC द्वारा International Counter Terrorism Conference का आयोजन

200

8 मार्च 2024

वाशिंगटन में भारत-अमेरिका के बीच

US-India Counter Terrorism Joint Working Group की बैठक

दोनों देशों ने आतंकवाद का संयुक्त मुकाबला करने की प्रतिबद्धता को दोहराया

201

अन्य प्रयास

202

(i) 8 नवम्बर, 2016 को नोटबंदी

(ii) संचार माध्यमों द्वारा आतंकी विरोधी प्रचार-प्रसार एवं उनकी तस्वीरों का प्रकाशन

(iii) आतंकियों को पकड़वाने पर वित्तीय सहायता

(iv) सीमा सुरक्षा प्रबंधन द्वारा ड्रग्स एवं हथियारों की तस्करी रोकना

203

(v) आतंकवाद एवं संगठित अपराध के मध्य संबंधों को रोकना तथा साइबर सुरक्षा आदि की दिशा में प्रयास करना

(vi) कूटनीतिक प्रयास द्वारा पाकिस्तान पर दबाव

(vii) कश्मीर में 370 की समाप्ति

204

मूल्यांकन एवं सुझाव

205

उपलब्धियाँ / सफलता के बिन्दु

निश्चित रूप से आतंकवाद को रोकने हेतु किए गए प्रयासों के सकारात्मक परिणाम मिले हैं, जिन्हें जम्मू कश्मीर, नार्थ-ईस्ट, पंजाब आदि में देखा जा सकता है-

(i) 2018 में 228 आतंकी घटनाएँ, जबकि 2022 में 125

206

(ii) 31 जनवरी 2017– अमेरिकी दबाव में पाकिस्तान द्वारा हाफिज सईद को हिरासत में लिया गया;
31 दिसम्बर 2017– अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को दी जाने वाली 2 अरब डॉलर की सहायता रोकी गयी आदि

(iii) वैश्विक आतंकवाद सूचकांक - 2015 में भारत 6 नम्बर पर और 2024 में 14 नम्बर पर

207

कमियाँ / असफलता के बिन्दु

बावजूद इसके.....

भारत को आतंकवाद की समस्या से पूर्णत मुक्ति नहीं मिली है और यह समस्या आज भी बनी हुई है; जैसे-

वर्तमान की आतंकी घटनाओं की चर्चा–

(i) 14 फरवरी 2019 – पूलवामा आतंकी हमला - 46 जवान शहीद

208

(ii) 21 दिसम्बर 2023 – रजौरी में आतंकी हमला - 5 जवान शहीद

(iii) पंजाब में खालिस्तान की मांग को लेकर आतंकवाद पुनः सक्रिय

(iv) केरल में आतंकवाद की समस्या आज भी विद्यमान

209

आतंकवाद के उन्मूलन हेतु सुझाव

210

कानून एवं न्याय व्यवस्था के स्तर पर सुझाव

1. कड़े कानून का निर्माण हो एवं सुरक्षा बलों को तर्कसंगत स्वायत्ता दी जाय
2. NCTC पर शीघ्र सहमति कायम हो
3. त्वरित न्यायिक निपटारा हेतु Fast Track Court की स्थापना हो
4. आतंकवादियों के वित्तीय स्रोतों को रोकने हेतु विशेष कानून का निर्माण हो

KGS IAS

211

योजनागत स्तर पर सुझाव

1. सुरक्षाबल एवं जाँच ऐजेंसी की संख्या में वृद्धि एवं उनका आधुनिकीकरण किया जाए
2. सुरक्षा बलों, जाँच एजेंसियों एवं आसूचना एजेंसी के मध्य बेहतर समन्वयन स्थापित किया जाए
3. सीमा सुरक्षा, तटीय सुरक्षा तथा साइबर सुरक्षा को मजबूत किया जाये

212

अन्य सुझाव

1. आतंकियों के विरूद्ध अभियान तीव्र करके इन्हें हतोत्साहित किया जाय
2. आतंकरोधी गतिविधि में मानवाधिकार उल्लंघन को रोका जाय
3. अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इस मुद्दे पर वैश्विक समन्वयन को स्थापित किया जाय
4. पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध बनाये जाय

213

संभावित प्रश्न

214

- भारत में आतंकवाद आंतरिक सुरक्षा की एक प्रमुख चुनौती के रूप में उभरा है। इस कथन को सविस्तार प्रतिपादित कीजिए और इस समस्या के समाधान हेतु उपाय बताइए।
- भारत में आतंकवाद के कारणों की चर्चा कीजिए। इसके उन्मूलन हेतु क्या प्रयास किए गए हैं? उत्तर दीजिए।

215

- आपके विचार में आतंकवाद के क्या कारण हैं? भारत में आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए उपयुक्त उपाय सुझायें।
- भारत में आतंकवाद की समस्या पर चर्चा कीजिए एवं इसके उन्मूलन हेतु किए गए प्रयासों की समीक्षा कीजिए।

216

- "भारत की विकास प्रक्रिया में निहित असन्तुलन समकालीन आतंकवाद/नक्सलवाद की समस्या का प्रमुख कारण है।" समीक्षा कीजिए।
- भारत में समानुपातिक विकास और राष्ट्रवाद की भावना के प्रसार द्वारा आतंकवाद की समस्या का समाधान संभव है। क्या आप इस मत से सहमत हैं? उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए और आतंकवाद की समस्या के समाधान हेतु अन्य उपाय सुझायें।

217

- "भारत में आतंकवाद भारतीय भूमि पर उत्पन्न और बाह्य राज्य कारकों द्वारा सिंचित वह वृक्ष है जिसका खात्मा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बिना संभव नहीं है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।
- आतंकवाद के विरोध में जनमत का निर्माण एवं जन-सहभागिता में वृद्धि के द्वारा ही भारत में आतंकवाद के उन्मूलन को संभव बनाया जा सकता है। इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

218

- भारत में आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों पर चर्चा कीजिए तथा इन स्रोतों को रोकने की दिशा में किए गए प्रयासों की समीक्षा कीजिए।
- हाल के दिनों में पंजाब में आतंकवाद का विस्तार दृष्टिगत हुआ है। इस विस्तार में External State Actors एवं Non State Actors की भूमिका की समीक्षा कीजिए।

219

- आतंकवाद एवं कश्मीर समस्या पर भारत की पाकिस्तान के साथ विदेश नीति की प्रकृति में व्यापक परिवर्तन देखा जा रहा है। इस परिवर्तन के निहितार्थ एवं इसके संभावित परिणामों पर चर्चा कीजिए।
- जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया एवं नागरिक प्रशासन की बहाली किस प्रकार आतंकवाद के खात्मा में सहायक हो सकता है? उत्तर दीजिए और इस दिशा में किए गए प्रयासों की चर्चा कीजिए।